नैक-'बी' ग्रेड

कुटीर पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, चक्के, जौनपुर

स्थापित - 1971

सम्बद्ध - वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
यशः शरीर पं. अभयजीत दुबे
संस्थापक कुटीर संस्थान

संस्थापक स्मृति स्थल

विवरणिका एवं निर्देश

वेबसाइट : www.kutirpgcollege.ac.in

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

परमपूज्य पं. अभयजीत दूबे जी

संस्थापक

जन्म : 25 जुलाई 1906 निर्वाण तिथि : 26 अगस्त 1998

कीर्तिशेष श्रद्धेय संस्थापक

संकटो की घड़ी से सदा आपके, याद की ज्योति में हम चले जायेंगे।
स्थान की रिक्तियां पूर्ण होती नहीं, सोचकर नेत्र पानी से भर जायेंगे॥
पग पड़े हैं जहाँ आपके जिस तरह, तीर्थ स्थल बना वह सभी के लिए।
कर्म का क्षेत्र जो है दिया आपने, वह असीमित बना है हमारे लिए ॥

-श्रद्धावनत कुटीर परिवार

कुटीर पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, चक्के, जौनपुर

सत्येन ब्रह्मचर्येण व्यायामेनाथ विद्यया।
देशभक्त्याऽमत्यागेन सम्मानार्हः सदाभव॥

सत्य और ब्रह्मचर्य, व्यायाम और विद्या, देशभक्ति और आत्मत्याग - इन्हीं गुणों के द्वारा तुम सदा सम्मान पाने के योग्य बनों

कुलगीत

कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान
जिसके जनक हैं महान् क्रान्तिवीर, कर्मवान, अभयजीत दूबे ज्योतिमान्,
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान 1
अष्टावक्र, सन्तराम ऋषिजनों का चक्के ग्राम, गोमती समीप दिव्यधाम,
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान 2
ध्येय है सकल उत्थान छात्र हों तेजवान, स्वावलम्बी और सत्यवान
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान 3
धर्म, कला और विज्ञान नारी-पुरुष सबको ज्ञान, पूर्ण संस्कार का विधान
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान 4
आत्मबल का अनुष्ठान इक कुटी की है उड़ान, शिशु कक्षा से शोध तक विधान
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान 5
कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान, कुटीर संस्थान

संकल्प

हमें ऐसे बालको का निर्माण करना है जिनके चेहरे पर आभा, शरीर में बल, मन में प्रचण्ड इच्छाशक्ति, बुद्धि में पाण्डित्य, जीवन में स्वावलम्बन, हृदय में शिवा प्रताप, ध्रुव प्रहलाद की जीवन गाथायें अंकित हों और जिन्हें देखकर महापुरुषों की स्मृतिया झंकृत हो उठें।

डॉ. अजयेन्द्र कुमार दुबे
प्रबन्धक

डॉ कृष्ण देव चौबे
अध्यक्ष

प्रो. राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय
प्राचार्य

डा. पूनम सिंह
समन्वयक,
महाविद्यालय प्रवेश समिति

संदेश

भारत गाँवों में बसता है। समृद्ध गाँव सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। शिक्षा के बगैर वास्तविक समृद्धि सम्भव नहीं है। परमपूज्य संस्थापक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. अभयजीत दुबे जी ने साधनहीन युवक/युवतियों के लिए 'कुटीर संस्थान' की आधारशिला रखी। ग्राम्यांचल में उच्च शिक्षा की व्यवस्था पाँच दशक पूर्व अथक परिश्रम का ही फल है। जनपद-विश्वविद्यालय और प्रदेश में अपनी गुणवत्ता की विशिष्ट पहचान बना चुका कुटीर पी.जी. कालेज, चक्के अपनी स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

महाविद्यालय अपने सीमित साधनों में अपना सर्वोत्कृष्ट प्रर्दशन करने का प्रयास करता है। आज महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में छात्र-छात्राओं, शिक्षक-कर्मचारियों-प्रबंधन सदस्यों एवं समस्त हित धारकों का सहयोग प्रशंसनीय है।

महात्मा गाँधी-विनोबा भावे-संस्थापक जी के मनोगत भाव एवं आदर्श के अनुसार संस्था अपने चरम लक्ष्य को प्राप्त करेगी। यहाँ के छात्र एवं छात्रायें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तो देंगे ही साथ ही मानव जीवन की ऐसी सार्थकता का प्रदर्शन करेंगे जिसका वर्णन श्रीमद् भगवद्गीता के जीवन दर्शन से होता है।

मंगलकामनाओं सहित !

डॉ. अजयेन्द्र कुमार दुबे
प्रबंधक
कुटीर पोस्ट ग्रेजुएट कालेज चक्के, जौनपुर

आत्म कथ्य

समस्त सृष्टि अदृश्य सर्जक की सर्जना का दिव्य स्वरूप है। इसमे हम सब प्राणी जिसमें मानव सर्वाधिक विशिष्ट है, क्योंकि वह स्वयं भी सर्जना करने में सक्षम है। जिस प्रकार पदार्थ स्वभाव से परिभाषित होता है तद्रूप संस्थायें इतिहास से व्याख्यायित होती है। मनुष्य की कृति सहजवृत्ति के अनुरूप होती है। किशोरावस्था से ही गृहत्यागी गीता के कर्मयोग पर अविलम्ब जीवन शैली के अनन्य उपासक यशः शरीर संस्थापक प० अभयजीत दुबे द्वारा स्थापित संस्था सुदूर ग्राम्यांचल में उत्कृष्ठ उच्च शिक्षा सुविधा सुलभ कराने के संकल्प को मूर्त स्वरूप प्रदान करने के साक्षी रहे समस्त आत्मीय स्वजनों के साथ ही यशः शरीर संस्थापक जी की पावन पुण्य स्मृति को सादर नमन, वन्दन और अभिनन्दन।

सुदूर ग्राम्यांचल एवं साधनहीन अति पिछड़े क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परम पूज्यनीय संस्थापक जी ने "श्री गीता साहित्य कुटीर" की स्थापना कर ज्ञान की धारा को प्रवाहित करने के क्रम में उच्च शिक्षा हेतु कुटीर महाविद्यालय की स्थापना कर क्षेत्र को उच्च शिक्षा रूपी प्रकाश प्रदान किया। शिक्षा जगत में श्रद्धेय संस्थापक जी के द्वारा जगायी गयी अलख को आगे बढ़ाते हुये वर्तमान समय में महाविद्यालय के यशश्वी और ओजश्वी युवा प्रबन्धक डॉ0 अजयेन्द्र कुमार दुबे जी के अर्हनिश संस्था एवं युवाओं के हित चिन्तन के परिणाम स्वरूप आज पूज्यनीय संस्थापक जी का सपना साकार हो रहा है। इस क्रम में स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा एवं वाणिज्य संकाय की स्थायी सम्बद्धता सुनिश्चित है। छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु स्मार्ट क्लासरूम को मूर्तरूप प्रदान कर आधुनिक तकनिकों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही अनुसंधान का कार्य लगभग सभी विभागों के प्राध्यापकों के निर्देशन में किया जा रहा है। शोध कार्य के साथ-साथ आज यह महाविद्यालय 5 संकायों (भाषा विज्ञान, कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं शिक्षक-प्रशिक्षण संकाय) में स्नातक तथा रसायन विज्ञान, औद्योगिक रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, हिन्दी, संस्कृत एवं भूगोल विषयों में स्नातकोत्तर पर 2021 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अनुपालन करते हुये इस नीति का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। विभिन्न समितियों एवं प्रकोष्ठों के माध्यम से शैक्षणिक, सहशैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर क्रिया-कलापों का उत्कृष्ठ आयोजन के साथ ही एन० सी० सी०, रोवर्स / रेंजर्स, एन० एस० एस० एवं क्रीड़ा जैसी इकाईयों के माध्यम से छात्र / छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना प्रमुख लक्ष्य होता है। आगामी नैक मूल्यांकन के लिए संस्था स्तर पर समग्र रूप से कार्य किया जा रहा है। आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि बहुत ही जल्द महाविद्यालय दूसरी बार नैक मूल्यांकन की श्रेणी से आच्छादित हो जायेगा।

सर्वे भवंतु सुखिनः ...... की उज्जवल भावना से अनुप्राणित उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्तरीय गुणवत्ता बनाये रखने में संस्था अहर्निश प्रायासरत है। मेरा प्रबल विश्वास है कि हम सभी संकल्पबद्ध हो एवं श्रेष्ठतम की प्राप्ति हेतु अनवरत प्रयासरत रहेंगे।

आप सभी के प्रति अपनी शुभेक्षाओं के साथ-

प्रो0 राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय
प्राचार्य
कुटीर पी0 जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर